Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 26 | मंगलवार, 27 जनवरी -2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

आज फिर बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

हिमाचल में 835 सड़कें बंद, 24 घंटे का जाम

शिमला।

भारी बर्फबारी के कारण हिमाचल प्रदेश में तीन नेशनल हाईवे समेत कुल 835 सड़कें ट्रैफिक के लिए बंद रहीं। इस बीच, मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण मंगलवार से राज्य के ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी हो सकती है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, लाहौल और स्पीति के आदिवासी जिले में नेशनल हाईवे 3 (लेह-मनाली) और ठ्ल 505 (काजा-ग्राम्फू) सहित लगभग 282 सड़कें बंद हैं। शिमला में 234 सड़कें बंद हैं, मंडी में 110, चंबा में 78, कुल्लू में 65, जिसमें ठ्ल 305 (सैंज-लुहरी-ऑट) शामिल है; सिरमौर में 41; किन्नौर में 18, कांगड़ा में चार, और ऊना में तीन सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। प्रशासन की ओर से रास्ते से बर्फ हटाने का काम जारी है। रविवार को ऊंचे इलाकों में कुछ जगहों पर हल्की बर्फबारी और बारिश देखी गई, जबकि राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम सूखा रहा। मनाली, ऊना, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और बिलासपुर में शीतलहर की स्थिति देखी गई।

यलो अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने मंगलवार को कुल्लू, किन्नौर, चंबा और लाहौल और स्पीति जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें भारी बर्फबारी और बारिश का अनुमान है। बाकी नौ जिलों के लिए, इसने येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें गरज–चमक के साथ ठंडे दिन का अनुमान है। बर्फबारी के बाद हिमाचल में पर्यटकों के लिए मुश्किल आन खड़ी हुई है।

'हमारे देश को नुकसान पहुंचाना ही एकमात्र एजेंडा...', संयुक्त राष्ट्र में भारत ने फिर पाकिस्तान को सुनाया

नई दिल्ली।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ी है। भारतीय राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से पाकिस्तान को घेरा है। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर झूठ फैलाने से लेकर जम्मू कश्मीर, आतंकवाद समेत 27वें संशोधन पर पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए कहा, ₹हमारे देश (भारत) और हमारे लोगों को नुकसान पहुंचाना पाकिस्तान का एकमात्र एजेंडा है। पाकिस्तान पहले ही ऑपरेशन सिंदूर पर झूठे दावे कर चुका है।

हरीश ने कहा, ₹ 9 मई 2025 तक पाकिस्तान लगातार भारत पर हमले करने की धमकी दे रहा था, लेकिन 10 मई को अचानक पाक सेना ने भारतीय सेना से संपर्क किया और सीजफायर करने की गुजारिश की। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह कर दिए थे। टूटे हुए रनवे और जले हैंगर्स की तस्वीरें भी सार्वजनिक की गईं थीं।

खामेनेई के खिलाफ नहीं थम रहा आक्रोश, मृतकों का आंकड़ा 6,126 तक पहुंचा

नई दिल्ली। ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है। बढ़ते जनाक्रोश के बीच विरोध–प्रदर्शन और हिंसा का दौर भी जारी है। बीते कई हफ्तों में प्रदर्शन और हिंसा के कारण अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। कानून–व्यवस्था बरकरार रखने के नाम पर देश की सरकार ने इंटरनेट और फोन कॉल सेवाएं बंद कर रखी हैं। जानिए क्या हैं पश्चिम एशिया के इस अशांत मुल्क से आए ताजा अपडेट्स पश्चिम एशिया में अशांति व्याप्त है। हिंसा और विरोध–प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस्राइली सीमा पर गाजा पट्टी और लेबनान जैसे इलाकों के बाद अब ईरान भी बीते कई हफ्ते से जनाक्रोश का सामना कर रहा है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता सरकार के खिलाफ लगातार आवाज बुलंद कर रही है। आलम ये है कि देश की सेना और राजधानी तेहरान में तैनात सुरक्षाबलों को भी कानून–व्यवस्था बरकरार रखने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

गणतंत्र दिवस झांकी में गृह मंत्रालय ने दिखाए नए आपराधिक कानून

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि गणतंत्र दिवस परेड में उनके मंत्रालय की झांकी में तीन नए आपराधिक कानूनों को प्रदर्शित किया गया, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में औपनिवेशिक काल के अवशेषों को मिटाने वाले ऐतिहासिक कानूनी सुधारों का प्रतीक है। यह भारत को सजा पर जोर देने वाली व्यवस्था से न्याय–प्रधान कानूनी व्यवस्था की ओर ले जाने का भी संकेत है। एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि झांकी ने ई–साक्ष्य, ई–समन, न्याय श्रुति जैसी नई प्रणालियों को बखूबी प्रदर्शित किया। इसके जरिये नागरिकों को नए भारत में त्वरित, सटीक और जन–केंद्रित न्याय व्यवस्था के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

महाराष्ट्र: 1 लाख स्कूलों के 2 करोड़ छात्रों ने एक सुर में गाया देशभक्ति गीत

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र के स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने सोमवार को बताया कि 'राष्ट्र प्रथम' पहल के तहत राज्य के एक लाख स्कूलों के दो करोड़ से अधिक छात्रों ने गणतंत्र दिवस पर एक साथ और तालमेल बिठाकर देशभक्ति गीतों को गाकर विश्व रिकार्ड बनाया। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड बुक आफ रिकाड्र्स, लंदन ने आधिकारिक तौर पर इस पहल को दर्ज किया है। 'राष्ट्र प्रथम' पहल के तहत राष्ट्र ध्वज फहराने के बाद राज्य के सभी डिवीजनों में स्कूली छात्रों द्वारा देशभक्ति गीतों पर सामूहिक गायन किया गया। भुसे ने बताया कि इस पहल में सात लाख शिक्षकों ने भी भाग लिया। मंत्री ने कहा कि छात्र इस गायन का अभ्यास पिछले कुछ महीनों से कर रहे थे। इसके लिए स्कूली शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी स्कूलों को 14 मिनट का एक निदेर्शात्मक वीडियो उपलब्ध कराया था।

10 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स रद

अमेरिका में बर्फीले तूफान से अबतक 30 लोगों की मौत, लाखों घरों में बिजली गुल

नई दिल्ली।

अमेरिका में बर्फीले तूफान की एंट्री से हर तरफ अंधेरा छा गया है। 8 लाख से ज्यादा घरों में बिजली नहीं है। लाखों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गई है। वहीं, खराब मौसम के कारण 10000 से ज्यादा फ्लाइट्स रद कर दी गई हैं। बर्फीले तूफान के कारण अमेरिका में 30 लोगों की मौत हो गई है। बर्फीले तूफान ने अमेरिका के पूर्वी हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। ज्यादातर हिस्सों में भारी बर्फबारी और तेज बारिश देखने को मिल रही है। तापमान लुढ़कने के कारण ठंड अचानक से बढ़ गई है। नेशनल वेदर सर्विस (ठहर) ने रविवार को चेतावनी जारी की थी। इसके अनुसार, लोगों को अभी इस बर्फीले तूफान से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। घरों से बाहर निकलना जानलेवा हो सकता है। इसलिए लोगों से घरों में रहने की गुजारिश की गई थी। 850000 लोग बिना बिजली के अंधेरे में रह रह हैं। टेनेसी, मिसिसिपी, टेक्सास और लुइसियाना जैसे शहरों में इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा है। केंटकी, जॉर्जिया, वर्जीनिया और अलबामा जैसे राज्य भी बिजली गुल होने का सामना कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन की सख्ती से भारतीय पेशेवरों की बढ़ी मुश्किलें

नई दिल्ली।

अमेरिका में काम करने के इच्छुक भारतीय पेशेवरों के लिए साल 2026 की शुरूआत बड़ी मुश्किलों के साथ हुई है। ट्रंप प्रशासन की वीजा नीतियों में हुए बदलाव के कारण अब भारत के सभी प्रमुख वाणिज्य दूतावासों में ल्ह- 1इ वीजा के साक्षात्कार के लिए कोई भी नया स्लॉट उपलब्ध नहीं है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता स्थित वीजा कार्यालयों में अब नियमित साक्षात्कार के लिए स्लॉट उपलब्ध नहीं हैं। आलम यह है कि जनवरी-फरवरी 2026 की नियुक्तियों को भी सीधे अप्रैल-मई 2027 तक के लिए टाल दिया गया है। आव्रजन विशेषज्ञों की मानें तो फिलहाल स्थिति में कोई सुधार की उम्मीद नहीं है। विभाग की वेबसाइट पर कई जगहों पर, जिनमें कोलकाता और दिल्ली भी शामिल हैं, याचिका-आधारित (एच, एल, ओ, पी, क्यू) वीजा के लिए आवश्यक साक्षात्कार हेतु अगली उपलब्ध अपॉइंटमेंट के लिए प्रतीक्षा अवधि 'उपलब्ध नहीं' दिखाई दे रही है।

2027 तक के लिए इंटरव्यू स्लॉट खत्म

राजस्थान ग्रुप डी भर्ती परीक्षा का स्कोरकार्ड जारी, यहां दिए लिंक से करें डाउनलोड

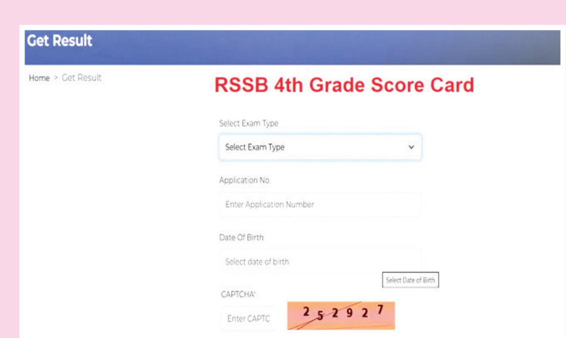

नई दिल्ली।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर (फररइ) की ओर से राजस्थान चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती सीधी भर्ती परीक्षा का रिजल्ट एवं फाइनल आंसर की जारी होने के बाद अब स्कोरकार्ड जारी कर दिया गया है। जिन भी उम्मीदवारों ने इस भर्ती परीक्षा में भाग लिया था वे ऑनलाइन माध्यम से ऑफिशियल वेबसाइट कर सकते हैं। आपकी सहूलियत के लिए इस पेज पर भी डायरेक्ट लिंक उपलब्ध करवाया गया है जिस पर क्लिक करके सीधे स्कोरकार्ड डाउनलोड किया जा सकता है। आरएसएसबी की ओर से राजस्थान ग्रुप डी भर्ती परीक्षा का आयोजन 19, 20 एवं 21 सितंबर 2025 को करवाया गया था। इसके बाद अभ्यर्थियों के लिए प्रोविजनल आंसर की जारी की गई थी जिस पर 8 से 10 नवंबर 2025 तक आपत्ति दर्ज करने का मौका दिया गया था। रिजल्ट 15 जनवरी को जारी हुआ था और फाइनल उत्तर कुंजी 21 जनवरी को जारी की गई थी।

सरकारी बैंक कर्मचारियों ने किया हड़ताल का एलान

नई दिल्ली।

आज मंगलवार 27 जनवरी को बैंकों कर्मचारियों की हड़ताल है। बता दें कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (वऋइव) ने हफ्ते में 5-डेज वर्किंग वीक की मांग को फौरन लागू करने की मांग को लेकर 27 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल पर जाने के फैसले किया है। इससे आज मंगलवार को सरकारी बैंकों का कामकाज प्रभावित होने की आशंका है। अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले नौ संगठनों की जॉइंट बॉडी यूएफबीयू द्वारा हड़ताल का यह आह्वान 23 जनवरी को मुख्य श्रम आयुक्त के साथ हुई सुलह बैठक के नाकामयाब होने के बाद आया है। 25 जनवरी (रविवार) और 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) को बैंक बंद रहे और मंगलवार की हड़ताल के कारण अब लगातार तीन दिनों तक बैंक सेवाएं बाधित रहेंगी। यूएफबीयू के एक ग्रुप अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) के महासचिव सी एच वेंकटचलम के मुताबिक, "सुलह कार्यवाही के दौरान लंबी चर्चा के बावजूद हमारी मांग पर कोई आश्वासन नहीं मिला। इसलिए, हम हड़ताल पर जाने को मजबूर हैं।" ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) के महासचिव रूपम रॉय ने कहा कि मार्च 2024 में वेतन संशोधन समझौते के दौरान इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूएफबीयू के बीच सभी शनिवारों को छुट्टी घोषित करने पर सहमति बनी थी।

संपादक की कलम से

स्वाभिमान से आत्मनिर्भरता तक

पूर्ण राज्यत्व दिवस के नक्शे पर केवल सौगात ढूंढने वालों के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू का भाषण, कठोर पन्नों पर शगुन हासिल करने की रियायत नहीं देता, लेकिन व्यवस्था से दिशा परिवर्तन के रास्ते जरूर गिनवा देता है। सरकार के तीन साल के सफर और केंद्र के व्यवहार के बावजूद हिमाचल का स्वाभिमान सतर्कता के साथ अपने सामर्थ्य, समृद्धि और स्वावलंबन के शब्दकोष ईजाद

ललित शर्मा
संपादक

कर रहा है। पूर्ण राज्यत्व की परिभाषा इतनी भी सादी नहीं कि सिर्फ मंच पर कर्मचारी वर्ग ही बोलें। महंगाई भत्ता अगर कर्मचारी चूल्हे की खुराक है, तो हिमाचल के बेरोजगार, कामगार, बागबान और कृषक के लिए भी जमीन और घर को बचाने की उतनी ही जिम्मेदारी है। यहां राज्य की कमाई या संसाधनों की देखभाल का मसला नए संतुलन पैदा करने की दुहाई दे रहा है। अगर हिमाचल को कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करनी है, तो क्या इसके लिए लोकप्रिय सरकार के श्रृंगार में केवल सरकारी रोजगार और कर्मचारी उपहार में ही देखा जाए। उस किसान के भीतर के रोजगार को पहचानकर अगर सरकार ने गाय के दूध की खरीद को 32 रुपए से बढ़ा कर 51 रुपए प्रति लीटर और भैंस के दूध को 47 से बढ़ा कर 61 रुपए प्रति लीटर खरीद सुनिश्चित की, तो यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पांव पर चलने का एक बड़ा आश्वासन है। बेशक कर्मचारियों के मसले हल होने चाहिएं, लेकिन अगर राज्य के पूरे बजट के आधे से अधिक हिस्सा भी सरकारी वेतन-भत्ते और पेंशन का हिसाब नहीं कर पा रहा है, तो समस्या एक लाख करोड़ के करीब ऋण उठा कर भी हल नहीं होगी। दूसरी ओर यह पांच बनाम 25 लाख लोगों की आजीविका का सवाल भी है। सरकारी क्षेत्र में वेतनधारी तथा पेंशनधारकों को मिला दें तो संख्या करीब साढ़े चार से पांच लाख बनती है, जबकि निजी क्षेत्र में नौकरी, व्यवसाय, कृषि, बागबानी तथा स्वरोजगार में करीब 25 लाख लोग लगे हैं। ऐसा क्या जादू हो जाएगा कि केवल पांच लाख लोगों को ही पूर्ण राज्यत्व या हिमाचल दिवस के उपहार स्वरूप हमेशा सरकार की सारी घोषणाएं चुपड़ी हुई मिलें। राज्य की आत्मनिर्भरता की कसौटी सरकारी खर्चों में कटौती भी है। सिर्फ राजस्व और रोजगार बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र को भी प्रोत्साहन तथा गारंटियां चाहिएं। इतना ही नहीं, आपदाओं से गुजरते पूर्ण राज्यत्व दिवस मनाने की सारी शर्तें केवल सोशल मीडिया पर ह्यडीए-डीएह्न तो नहीं चीख सकतीं। हिमाचल में अब एक नया आर्थिक भाईचारा चाहिए। यह सौ फीसदी सार्वजनिक क्षेत्र को पूजने का हक नहीं देता, क्योंकि केंद्र के पैमाने बदल गए हैं, इसलिए सर्वप्रथम राज्य के अधिकारों के प्रति सरकारों को व्यावहारिक मंच खड़े करने होंगे। सुक्खू सरकार भले ही अतीत की सरकारों से भिन्न और अलग-अलग कटौतियों और कसौटियों के मोर्चों पर नजर आ रही हो, लेकिन अगर 2021-22 के मुकाबले राजस्व घाटा अनुदान 10249 करोड़ से घटकर मात्र 3256 करोड़ रह जाए, तो सही फितरत क्या होगी। यह दीगर है कि कल तक जिस जायका प्रोजेक्ट से वन और कृषि क्षेत्र की पूजा अर्चना की जाती थी, आज इसी की बदौलत सरकार ने रोबोटिक सर्जरी व अस्पतालों की मशीनरी को बदलने का बीड़ा उठाया है।

कविता

जीने की राह

उदय किशोर साह

अय फूलों की खिलखिलाती रानी
मुस्कुराने की क्या है राज की कहानी
हमको भी जरा बतला दो मेरे यार
हँसता खेलता गुजर जाये मेरा संसार

ओ पर्वत राज सदियों से खड़ा है आज
तुफाँन भी तेरा कुछ बिगाड़ कब पाया
डिग ना सका तेरी हिम्मत व जजबात
मसीबत में तुम तनिक भी ना घबराया

अय नदियों की चंचल कल कल रवानी
किसी की भी ना तुम सुनती हो वाणी
पत्थर चट्टान राह तेरी जब रोकने आती
बहती चल देती बन कर स्वभिमानी

ओ आसमां पे उड़ते पक्षीराज बन बाज
तुम पे होता है हमको भी अब नाज
छोड़ उड़ जाते हो दुनियां को तुँ पीछे
क्या है तेरी हिम्मत ताकत की वो राज

अय मदिरालय अंगूर रस तुँने है पिलाये
क्यूं करता है ये नीच कुकर्म   व्यापार
डुब गई है तेरी जाम में सारी ये दुनियां
मत कर जग वाले को जग में। शर्मसार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

राष्ट्रगान के सम्मान को अनुच्छेद 51ए(ए) मौलिक कर्तव्य बनाता है, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम,1971 भी केवल राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज तक सीमित है,तो राष्ट्रगीत वंदे मातरम को क्यों नहीं

गोंदिया

वैश्विक स्तरपर भारत में राष्ट्रबोध केवल भूगोल या सत्ता से नहीं, बल्कि प्रतीकों, भावनाओं और सांस्कृतिक चेतना से निर्मित होता है।वंदे मातरम ऐसा ही एक गीत है,जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को शब्ददिए भावनाओं को स्वर दिया और जनमानस को एक सूत्र में बांधा।वर्ष 2026 में, जब भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है और वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर केंद्र सरकार साल-भर उत्सव आयोजित कर रही है, तब यह प्रश्न फिर से केंद्र में आ गया है कि क्या राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी राष्ट्रगान जन गण मन जैसा औपचारिक दर्जा और प्रोटोकॉल मिलना चाहिए।वंदे मातरमःकेवल गीत नहीं, स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा -वंदे मातरम की रचना 1870 के दशक में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह गीत केवल साहित्यिक कृति नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक दमन के दौर में उभरती राष्ट्रीय चेतना का घोष था। 1905 से 1908 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान यह गीत नारे में बदल गया।ब्रिटिश सत्ता को यह गीत इतना असहज करता था कि कई स्थानों पर इसके गायन पर प्रतिबंध लगाया गया। इस प्रकार वंदे मातरम स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा बन गया, जिसने लाखों भारतीयों को त्याग, बलिदान और संघर्ष के लिए प्रेरित किया।संविधान में राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत का अंतर- भारतीय संविधान ने राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के बीच एक स्पष्ट भेद स्थापित किया है। जन गण मन को आधिकारिक रूप से राष्ट्रगान का दर्जा प्राप्त है, जबकि वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता दी गई है। संविधान के अनुच्छेद 51ए(ए) के तहत नागरिकों पर राष्ट्रगान का सम्मान करना एक मौलिक कर्तव्य है।इसके पाठ, अवधि, प्रस्तुति और सम्मान से जुड़े नियम गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी किए गए हैं। इसके विपरीत, वंदे मातरम को लेकर न तो संविधान में स्पष्ट प्रावधान हैं और न ही इसके गायन या सम्मान से जुड़े कोई बाध्यकारी कानूनी नियम।

सरकार की नई तैयारी और हाई-लेवल बैठक-हालिया मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गृह मंत्रालय ने एक हाई- लेवल बैठक बुलाई, जिसमें वंदे मातरम को राष्ट्रगान जैसा दर्जा देने की संभावनाओं पर विचार किया गया। इस बैठक में यह चर्चा हुई कि क्या वंदे मातरम के गायन के लिए भी कोई तय नियम, आचार संहिता या प्रोटोकॉल होना चाहिए। बैठक में यह भी विचार किया गया कि क्या इस गीत के गायन के समय खड़ा होना अनिवार्य किया जाए और क्या इसके अपमान पर सटीक दंडात्मक प्रावधान बनाए जाएं। साथियों बात अगर हम 1971 का अधिनियम औरउसकी सीमाओं को समझने की करें तो,राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण अधिनियम,1971 राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के प्रति अनादर को रोकने के लिए बनाया गया था। इस कानून के तहत राष्ट्रगान के गायन में बाधा डालना या उसका अपमान करना दंडनीय अपराध है। हालांकि, इस अधिनियम में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के लिए कोई स्पष्ट दंडात्मक प्रावधान नहीं है। यही कारण है कि वर्षों से यह बहस चल रही है कि क्या इस कानून के दायरे को बढ़ाकर राष्ट्रीय गीत को भी शामिल किया जाना चाहिए।पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें मांग की गई है कि राष्ट्रीय गीत के गायन के लिए एक स्पष्ट ढांचा तैयार किया जाए। याचिकाकताओं का तर्क है कि जब वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्जा प्राप्त है,तो उसके सम्मान और अपमान को लेकर भी कानूनी स्पष्टता होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर, कुछ याचिकाओं में यह चिंता भी जताई गई है कि अनिवार्यता थोपना व्यक्तिगत स्वतंत्रता और धार्मिक विविधता के सिद्धांतों से टकरा सकता है। साथियों बात अगर हम खड़ा होनाः सम्मान या बाध्यता? इसको समझने की करें तो, राष्ट्रगान के समय खड़ा होना कानूनी और सामाजिक रूप से स्थापित मानक है। इसके पीछे तर्क यह है कि राष्ट्रगान संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। लेकिन वंदे मातरम के मामले में स्थिति भिन्न है। ऐतिहासिक रूप से, इस गीत के कुछ शब्दों को लेकर धार्मिक आपत्तियां भी उठती रही हैं, विशेषकर कुछ अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा। इसी कारण संविधान सभा ने भी इसे राष्ट्रगान के बराबर कानूनी दर्जा नहीं दिया था। अब यदि खड़ा होना अनिवार्य किया जाता है, तो यह सवाल उठता है कि क्या यह स्वैच्छिक सम्मान से अधिक बाध्यकारी राष्ट्रवाद को जन्म देगा? साथियों बात अगर हम राजनीतिक और वैचारिक आयाम के दृष्टिकोण से समझने की करें तो सत्ताधारी पार्टी का कहना है कि यह पहल वंदे मातरम के सम्मान को बढ़ाने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का प्रयास है। पार्टी इसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में देखती है। वहीं विपक्षी दलों और कुछ नागरिक समूहों का आरोप है कि यह कदम भावनात्मक मुद्दों को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने जैसा है। उनका तर्क है कि राष्ट्रभक्ति कानून से नहीं, भावना से आती है। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोणः प्रतीक और स्वतंत्रता के एंगल से समझने की करें तो, दुनियाँ के कई लोकतांत्रिक देशों में राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान के नियम मौजूद हैं, लेकिन वहां भी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का ध्यान रखा जाता है। अमेरिका में राष्ट्रगान के समय खड़े होना सामाजिक परंपरा है, कानूनी बाध्यता नहीं। यूरोपीय देशों में भी सम्मान की अपेक्षा की जाती है, लेकिन दंडात्मक प्रावधान सीमित हैं।भारत यदि वंदे मातरम के लिए सख्त कानूनी नियम बनाता है, तो यह वैश्विक लोकतांत्रिक मानकों के साथ संतुलन का प्रश्न खड़ा करेगा।यह पूरी बहस संविधान और सांस्कृतिक भावना के बीच संतुलन की है। संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, वहीं राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान राष्ट्र की गरिमा से जुड़ा है।वंदे मातरम भावनात्मक रूप से अत्यंत शक्तिशाली गीत है, लेकिन उसे कानूनी अनिवार्यता में बदलना संवेदनशील कदम होगा।विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को दंडात्मक कानून बनाने के बजाय स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। जैसे किन अवसरों पर वंदे मातरम गाया जाए,उसके दौरान सम्मानजनक आचरण क्या हो, और किस प्रकार इसे राष्ट्रगान के समानांतर सम्मान दिया जाए, बिना इसे बाध्यता बनाए। इससे सम्मान भी बढ़ेगा और विवाद भी कम होंगे।26 जनवरी 2026 की थीम वंदे मातरम रखना प्रतीकात्मक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यह भारत की ऐतिहासिक स्मृति औरआधुनिक राष्ट्र-राज्य के बीच सेतु बनाता है। यदि सरकार इस अवसर को संवाद,सहमति और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है,तो वंदे मातरम न केवल एक गीत, बल्कि राष्ट्रीय एकता का साझा प्रतीक बन सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान जैसा प्रोटोकॉल देने की बहस केवल कानूनी नहीं,बल्कि भावनात्मक, ऐतिहासिक और वैचारिक है। यह प्रश्न केवल खड़ा होने या न होने का नहीं, बल्कि इस बात का है कि भारत अपने राष्ट्रवाद को कैसे परिभाषित करता है, अनिवार्यता से या स्वैच्छिक सम्मान से। यदि यह संतुलन साधा गया, तो वंदे मातरम अपनी ऐतिहासिक गरिमा को बनाए रखते हुए आधुनिक भारत की लोकतांत्रिक आत्मा का प्रतीक बन सकता है।

गणतंत्र दिवस पर जोशे जुनून से निकली हिंदुस्तान शिवसेना की तिरंगा रैली

वेलकम इंडिया

राजस्थान के जिला सवाई माधोपुर में हिंदुस्तान शिवसेना द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशाल तिरंगा रैली यात्रा पूरे जोशो जुनून के साथ निकाली गई रैली का नेतृत्व एवं आयोजन हिन्दुस्तान शिवसेना के राजस्थान प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंधी जीतू भईया द्वारा किया गया गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा रैली यात्रा बजरिया टोंक बस स्टैंड से प्रातः आठ बजे ढोल नगाड़ों तथा बैंड बाजो के साथ प्रारंभ हो कर मैन बाजार होते हुए ट्रक यूनियन अंबेडकर सर्किल, शर्मा होटल चौराहा रेलवे स्टेशन पुलिया,रणथंभोर सर्किल अनाज मंडी रोड़ जरनल हॉस्पिटल आलनपुर सर्किल होते हुये कलेक्ट्रेट, पुलिस लाइन चौराहे से पुनः मुख्य बाजार होते हुये टोंक बस स्टैंड पर शाम को संपन्न हुई, रैली के दौरान शिवसैनिकों के अतिरिक्त सैंकड़ों युवक युवतियों ने हाथों में देश की आन बान और शान तिरंगा थामा हुआ था सभी देशभक्ति के गीतों पर डीजे के साथ नाच नाच कर हर्ष और खुशी मना रहे थे तथा भारत माता की जय के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे,रैली में भारी संख्या में तिरंगे झंडे लगे चौपहिया वाहन और लगभग चार सौ दुपहिया वाहनो के अतिरिक्त चालीस के करीब एम्ब्युलेंस वैन भी शामिल थी जिन पर भी तिरंगे झंडे सजे हुए थे जिन जिन मुख्य बाजारों से होकर यह रैली गुजरी वहां के दुकानदारों और मार्किट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पुष्प वर्षा कर रैली में उपस्थित लोगों का स्वागत किया जगह जगह नाश्ते के पैकेट और पेय पदार्थ आदि के स्टॉल भी लगे हुए थे इस तिरंगा यात्रा रैली में जिले के सभी धार्मिक, सामाजिक व अन्य राजनैतिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्यो ने भी देश भक्ति दिखाते हुए भाग लिया रैली में हिन्दुस्तान शिवसेना के अतिरिक्त बजरंग सेना कमेटी, सवाई माधोपुर एम्बुलेंस ऑपरेटर्स यूनियन,ई रिक्शा यूनियन, आरटीयू प्रेम मंदिर टैक्सी यूनियन आदि के सदस्य व पदाधिकारियों ने विशेष सहयोग प्रदान किया, रैली के दौरान चप्पे चप्पे पर पुलिस और आरएसी के जवान तथा कमांडो दस्ते भी मौजूद रहे खुद जिले के एडशिनल एसपी और कई डिप्टी एसपी स्तर के पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली हुई थी, रैली में मुख्य रूप से, मुकेश योगी, खेमचंद गोयल,वीरेंद्र मीणा,सलाम,जीतू गुजर, गोविंदा, लक्ष्मण साहू, कौशल सिंह, भानु, राहुल गौसेवक, सुमित गौ सेवक , अंजली राजपूत, बांसुरी, चंचल योगी,आदि सभी अपनी अपनी टीमो के साथ उपस्थित थी।

जारीकर्ता राजेन्द्रसिंह तोमर राजा भईया अध्यक्ष, मो न- 9811371054, एवं जितेन्द्र सिंधी जीतू भईया राजस्थान प्रदेश प्रभारी हिन्दुस्तान शिवसेना मो न- 9928112700

गणतंत्र सुरक्षित है तभी तक स्वतंत्रता व्यवस्थित है-डॉ मुकेश चंद्र अग्रवाल जेडी

वेलकम इंडिया

मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मथुरा में 77 वा गणतंत्र दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण के प्रभारी हरेश सिंह ने संयुक्त शिक्षा निदेशक, आगरा डॉक्टर मुकेश चंद्र अग्रवाल को तिरंगे की रस्सी पकड़ाई और प्राचार्य ने संस्थान की प्रशासनिक बिल्डिंग पर तिरंगा झंडा फहराया। उसके बाद डीएलएड प्रशिक्षुओं ने झंडा गान प्रस्तुत किया और संपूर्ण संस्थान के द्वारा राष्ट्रगान हुआ।इसके बाद पुलिस के जवानों ने सशस्त्र सलामी दी। इसी क्रम में संस्थान के नवीन सभागार में सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन सदन अनुसार सम्पन्न हुआ जिसके अंतर्गत

डीएलएड प्रशिक्षु बैच 2024 के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में समाचार पत्रों एवं पुस्तकों की भूमिका एवं वर्तमान परिदृश्य में शिक्षार्थियों में उनके प्रति रुचि का विकास विषय पर सदनवार प्रस्तुतियाँ की गई जिसमें राधाकृष्णन सदन द्वारा लघु नाटक एवं कविता कलम सदन द्वारा न्यूज पेपर पर आधारित लघु नाटक प्रेमचंद सदन द्वारा नमक सत्याग्रह पर एक नाटक टैगोर सदन द्वारा स्वदेशी आंदोलन पर एक नाटक फूले सदन द्वारा पोस्टर एक्ट एवं भाषण तथा अंत में विवेकानंद सदन द्वारा कलम की गूंज अतीत से वर्तमान तक शीर्षक पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।कार्यक्रम के समापन सत्र के अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने कहा कि हम सब एक टीम हैं जो कि शिक्षा के उद्देश्यों को पूर्ण करेगी। अंत में संस्थान के प्राचार्य और संयुक्त शिक्षा निदेशक आगरा डॉक्टर मुकेश चंद्र अग्रवाल ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि चिंतन की वास्तविक क्रांति तभी धरातल पर उतर सकती है, जब सुधार का हर संकल्प पहले 'अपने घर से' शुरू हो। लोकतांत्रिक ढांचे में व्यक्तिगत इच्छा सर्वोपरि तो होती है, लेकिन वह 'सामाजिक इच्छा ' यानी राज्य की मयार्दाओं से बंधी होती है। अतः गणतंत्र सुरक्षित है, तभी तक स्वतंत्रता व्यवस्थित है।

डीएवी इंटर कॉलेज गोवर्धन में ध्वजा रोहण के साथ आर्य यज्ञ शाला का हुआ लोकार्पण

वेलकम इंडिया

मथुरा। डीएवी इंटर कॉलेज गोवर्धन में 26जनवरी , गणतंत्र दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम नवीन आर्य यज्ञ शाला का लोकार्पण आर्य स्वामी विपिन बिहारी जी महाराज द्वारा किया गया,तथा आर्य यज्ञ,हवन का भी आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्र के कल्याण हेतु आहुतियां दी गईं।सम्पूर्ण गरिमा के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई।कॉलेज के संस्थापक बाबा साहब चौधरी चौहल सिंह जी की प्रतिमा पर प्रबंध समिति के समस्त सम्मानित सदस्यों एवं प्रबंधक नरेंद्र कुमार आर्य एवं संरक्षक चौधरी विनोद कुमार आर्य आदि द्वारा माल्यार्पण किया गया।इस अवसर पर छात्रों को एवं पधारे हुए गणमान्य नागरिकों को संबोधित करते हुए स्वामी जी समस्त नागरिको को राष्ट्र के लिए सेवा में सदैव तत्पर रहने हेतु प्रेरित किया।विद्यालय के संरक्षक चौधरी

विनोद कुमार आर्य ने विद्यालय एवं छात्रों के हित के लिए हर प्रकार से अपने प्रयासों एवं संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम का संचालन रामनिवास पाल ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य केशव देव शर्मा तथा प्रबंधक नरेंद्र कुमार आर्य ने आए हुए समस्त गणमान्य नागरिकों अभिभावकों , मीडिया कर्मियों, शिक्षकों, कर्मचारीगण एवं छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आने वाले वर्षों में इंसानों से ज्यादा होंगे रोबोट

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स साथ-साथ कदम मिला रहे हैं, उसका परिणाम आने वाले वर्षों में अगर आपके आसपास इंसानों से ज्यादा रोबोट घूमते नजर आएं तो आपको कैसा लगेगा? कुछ बातें सुनने में साइंस फि क्शन जैसी लगती हैं, लेकिन जिस रफ्तार से टेक्नोलाजी आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए रोजमर्रा के कामों में रोबोट का प्रभुत्व बढ़ना अब कल्पना नहीं, बल्कि संभावित हकीकत है। हाल ही में दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनामिक फोरम में टेस्ला कार फेम अरबपति एलन मस्क ने कहा कि आने वाले वर्षों में इंसानों की तुलना में रोबोटों की संख्या अधिक होगी।टेक्नोलाजी की दुनिया में एलन मस्क जो कहते हैं, उसे अक्सर ब्रह्मवाक्य माना जाता है, क्योंकि उनकी बातें ठोस शोध और विकसित होती तकनीक पर आधारित होती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स एक-दूसरे के साथ कदम मिला रहे हैं।यह साझेदारी आर्थिक, सैन्य और अन्य क्षेत्रों में बड़ी उथल-पुथल ला सकती है।मस्क की भविष्यवाणी में दम इसलिए भी है, क्योंकि उनकी टेस्ला कार के कारखानों में अगले बारह महीनों में ही रोबोट जटिल कहे जाने वाले काम भी करने लगेंगे।यह सच है कि इंसानों के कई काम आज रोबोट कर रहे हैं, लेकिन कुछ जटिल काम ऐसे थे, जो केवल इंसान ही कर सकता था।अब समय बदल गया है।अब रोबोट ऐसे पेचीदा और कठिन काम भी कर पा रहे हैं, जिनके लिए पहले केवल मानव बुद्धि की जरूरत होती थी और इसमें एआई की मदद ली जा रही है। मस्क का कहना है कि आने वाले वर्षों में हम इंसानों जैसे गुणों वाले रोबोट बाजार में उतारने की योजना बना रहे हैं।

एक समय ऐसा आएगा, जब स्मार्टफोन की तरह हर कोई अपने साथ एक रोबोट रखने के बारे में सोचने लगेगा।मस्क ने यह भी भविष्यवाणी की है कि आने वाले वर्षों में इंसानों की तुलना में रोबोटों की संख्या ज्यादा होगी।मस्क की यह बात हकीकत बनने में ज्यादा समय नहीं लेगी।रोबोट के इस्तेमाल में अमेजन अग्रणी है। ऑटोमोबाइल कंपनियों के कुछ सेक्शनों में केवल रोबोट ही काम करते हैं, जहां इंसान सिर्फ. ऑपरेटिंग सिस्टम में सेट किए गए होते हैं। अमेजन अगले दस वर्षों में लगभग 10 लाख रोबोट काम पर लगाने के लिए निवेश कर रहा है। वॉलमार्ट और यूपीएस जैसी कंपनियां भी रोबोटिक सिस्टम में निवेश कर सकती हैं। अमेजन ने एक दशक पहले अपने वेयरहाउस में रोबोट का इस्तेमाल शुरू किया था। उस समय ऐसा नहीं लगता था कि रोबोट इंसानों को रिप्लेस कर देंगे। धीरे-धीरे रोबोट जटिल काम भी करने लगे और इंसानों की नौकरियों पर खतरा बढ़ने लगा।ऐसा लगता है कि अमेजन में रोबोटों की फौज मानव कामगारों की नौकरियां छीन लेगी। वर्तमान में अमेजन के अधिकांश ऑनलाइन आर्डर रोबोटिक असिस्टेंट की मदद से सप्लाई किए जाते हैं।एक समय अमेजन नेट जाब क्रिएटर की सूची में आता था, लेकिन रोबोट के बढ़ते इस्तेमाल के बाद वह नेट जाब डिस्ट्रायर की सूची में आ सकता है।रोबोट का सबसे ज्यादा उपयोग करने वाला देश दक्षिण कोरिया है। भारत में भी आटो कंपनियां वन-टू-वन आदेशों का पालन करने वाले रोबोटों का इस्तेमाल करने लगी हैं। मस्क की रोबोट प्रगति संबंधी बात इसलिए भी संभव लगती है, क्योंकि हाल ही में गणतंत्र दिवस की रिहर्सल परेड में पीठ पर राइफल बांधे रोबोटिक डाग को देखकर लोग चकित रह गए थे। ये यांत्रिक सैन्य श्वान कूच-कदम कर रहे थे।यह चार पैरों वाला रोबोट अत्याधुनिक तकनीक का कमाल है।इनमें मूविंग कैमरे फिट होते हैं। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर भारतीय सैनिकों के साथ मार्च करते हुए जब ये रोबोटिक डाग दिखाई देंगे, तो लोग तकनीक को भी सैल्यूट करेंगे। भारतीय सेना में लगभग 100 रोबोटिक डाग शामिल किए गए हैं।स्वचालित हथियारों की सूची में इन रोबोट डाग को रखा गया है।

राइफल से लैस ये डाग केवल बम खोजने के काम में ही नहीं आएंगे, बल्कि कोने-कोने में छुपे दुश्मनों को ढूंढकर मार गिराने की क्षमता भी रखते हैं।बम स्क्वाड में तो इनका उपयोग होगा ही। स्कूलों आदि को उड़ाने की धमकियां मिलने पर जांच-पड़ताल के लिए भी इन डाग स्क्वाड का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

स्नेहा सिंह
जेड–436ए, सेक्टर–12,
नोएडा–201301 (उ.प्र.)
मो– 8368681336

पुलिस लाइन में राज्यमंत्री सोमेन्द्र तोमर द्वारा ध्वजारोहण कर भव्य परेड की सलामी ली गई

वेलकम इंडिया

बुलंदशहर को रिजर्व पुलिस लाइन बुलंदशहर में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर रैतिक परेड का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राज्यमंत्री उर्जा एवं वैकल्पिक उर्जा विभाग उत्तर प्रदेश शासन सोमेन्द्र तोमर द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं भव्य परेड की सलामी ली गयी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएम श्रुति व एसएसपी दिनेश कुमार सिंह उपस्थित रहें। मुख्य अतिथि द्वारा परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया गया। परेड के निरीक्षण के उपरान्त प्रथम कमाण्डर क्षेत्राधिकारी शिकारपुर शशांक श्रीवास्तव व द्वितीय कमाण्डर उ0नि0मौ0 शारिक बैग एवं तृतीय कमाण्डर उ0नि0 रामकिशन सिंह के नेतृत्व मे मार्च पास्ट/प्रदर्शन किया गया।इसके उपरान्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा निष्ठा व ईमानदारी एवं भारतीय संविधान व कानून का पालन कराने की शपथ दिलायी गयी।इसके उपरान्त मुख्य अतिथि द्वारा उद्धबोधन किया गया तथा

जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका/योगदान देने वाले एवं सराहनीय कार्यों में अहम भूमिका निभाने वाले निम्नलिखित पुलिस अधिकारी/कर्मचारिंगण को गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सराहनीय सेवा के लिए पदक एवं पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के प्रशंसा चिन्ह (पदक) व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।सम्मानित किये गये पुलिस अधिकारी कर्मचारीगण - उपनिरीक्षक सुभाष बाबू (गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सराहनीय सेवा पदक) निरीक्षक अतुल कुमार चौहान (रजत प्रशंसा चिन्ह)उप निरीक्षक कृपाल सिंह (रजत प्रशंसा चिन्ह)उप निरीक्षक सशस्त्र पुलिस योगेन्द्र पाल (रजत प्रशंसा चिन्ह)उप निरीक्षक सशस्त्र पुलिस रामकिशन (रजत प्रशंसा चिन्ह)निरीक्षक नरेन्द्र सिंह (रजत प्रशंसा चिन्ह)निरीक्षक बलराम सिंह (सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह)निरीक्षक रजनीश कुमार (सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह)उप निरीक्षक राजेश कुमार (सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह)मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस अक्षय कुमार (सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह)इसके अतिरिक्त सरहानीय कार्य करने वाले पुलिस के 300 अधिकारियों/कर्मचारियों को (प्रशस्ति-पत्र) से सम्मानित किया गया।

नव ज्योति स्पॉटिंग क्लब के द्वारा भंडारा व जागरण का आयोजन

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- अर्दली बाजार क्षेत्र के महावीर मंदिर चौराहे पनव ज्योति स्पॉटिंग क्लब की पूजा पंडाल में सरस्वती पूजा के उपलक्ष्य में भंडारा व जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें गणमान्य अतिथियों को विशिष्ट सम्मान 2026 से सम्मानित किया गयो कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री पूर्व विधायक माननीय अजय राय जी मछली शहर विधायक डॉ रागिनी सोनकर,पूर्व विधायक अजगरा कैलाश सोनकर व सांसद चंदौली के प्रतिनिधि नवीन सिंह बबलू,दक्षिणी विधान सभा के प्रत्याशी किशन दीक्षित,डॉ संजय सिंह राठौर,आलोक सिंह समाजसेवी जागरण कार्यक्रम के मुख्य कथा वाचक पंडित सौरभ कृष्ण शास्त्रीभंडारा में सैकड़ो की संख्या में महिलाएं व पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण कियो जागरण मे मुख्य रुप से महावीर मन्दिर के महंत बब्बू महाराज का विशेष योगदान रहा कार्यक्रम आयोजक मे अधिवक्ता देवेंद्र जी बबलू सोनकर, आलोक सिंह किशन चौबे,अधिवक्ता सौरभ सोनकर, अधिवक्ता आयुष सोनकर,अजय सोनकर,विजय सोनकर, सुजीत सोनकर,सत्या आदि रहे।

अल हिदायह ग्रुप ऑफ पब्लिक स्कूल्स मीरपुर करही में मनाया गया गणतंत्र दिवस

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। अल हिदायह ग्रुप ऑफ पब्लिक स्कूल्स मीरपुर करही संत कबीर नगर में आज 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य श्री तौफीक अहमद द्वारा ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और परेड के साथ हुआ।छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, देशभक्ति गीतों, अंग्रेजी स्पीच और नाटकों के माध्यम से देश के प्रति प्रेम और संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त किया। प्रधानाचार्य श्री तौफीक अहमद ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को देश के जिम्मेदार नागरिक बनने, संविधान के मूल्यों का पालन करने और भारत को प्रगति के पथ पर ले जाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभक्ति के नारों और मिठाइयों के वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर अजय यादव, शफीक अहमद, अब्दुल्लाह, मोहम्मद मोहसिन, सेराज अहमद, मोहम्मद ताहिर, परवेज अहमद, सोनी, शाइस्ता, नदिया, आमरा, सबरीना, सुमैया और निदा मौजूद रहे।

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में झंडा फहरा कर धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

वेलकम इंडिया हरेन्द्र शर्मा

हापुड़ जनपद के जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने कलेक्ट्रेट परिसर में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा फहरा कर धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस इसके उपरांत राष्ट्रीय गान एवं कलेक्ट्रेट में उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को संविधान के प्रति शपथ ग्रहण कराई गई। कार्यक्रम के दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्रों द्वारा देशभक्ति गीत सुनाया गया। जिलाधिकारी ने बालिका विद्यालय की छात्राओं को पुरस्कार एवं मिठाई वितरित की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने वरिष्ठ महिला को शॉल देकर सम्मानित भी किया। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान के मूल कर्तव्य एवं अधिकारों के प्रति अपना कार्य करने हेतु प्रेरित किया तथा सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कथा कुंज की काव्य गोष्ठी में राष्ट्रभाव का गूंजता स्वर

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली,27 जनवरी।गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था कथा कुंज साहित्य परिषद द्वारा आभासी पटल पर एक भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश-विदेश से जुड़े रचनाकारों ने अपनी सशक्त और भावप्रवण रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, शौर्य, कर्तव्य और मानवीय संवेदनाओं को स्वर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतर्राष्ट्रीय लेखक, वरिष्ठ पत्रकार-विचारक एवं धरा गवर्नर डॉ. शंभु पवार रहे। गोष्ठी का मनमोहक एवं प्रभावी संचालन परिषद के संस्थापक डॉ. गोविंद गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. शंभु पवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि गणतंत्र केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के कर्तव्यबोध और संवैधानिक चेतना का उत्सव है। साहित्य समाज की आत्मा होता है और ऐसी काव्य गोष्ठियाँ राष्ट्र के प्रति जागरूकता, एकता और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करती हैं। आज की रचनाएँ यह प्रमाण हैं कि कविता आज भी राष्ट्रनिर्माण की सशक्त भूमिका निभा रही है।उन्होंने युवा पीढ़ी से संविधान के मूल्यों–स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व–को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।काव्य पाठ की शुरूआत देहरादून से जुड़ी कवयित्री माधुरी भट्ट की ओजस्वी रचना हिंद की सेना से हुई।

जिले की रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक व जिलाधिकारी के द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया

वेलकम इंडिया हरेन्द्र शर्मा

हापुड़ जनपद की पुलिस लाइन में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कुँवर ज्ञानंजय सिंह के कुशल नेतृत्व में रिजर्व पुलिस लाइन हापुड़ में भव्य परेड का आयोजन किया गया।पुलिस अधीक्षक हापुड़ एवं जिलाधिकारी हापुड़ के द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया तथा परेड का निरीक्षण कर सलामी ली गयी एवं अपने दायित्वों व कर्तव्यों के निर्वहन हेतु शपथ दिलाई।रैतिक परेड के उपरांत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के द्वारा उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशंसा चिन्ह(पदक) व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।रिजर्व पुलिस लाइन में गणतंत्र दिवस बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें विभिन्न स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

राष्ट्रीय फेरी पटरी ठेला व्यवसायी महासंघ ने ध्वजारोहण कर निकाला विशाल तिरंगा यात्रा मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- राष्ट्रीय फेरी पटरी ठेला व्यवसायी महासंघ द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 जनवरी 2026 सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर भव्य ध्वजारोहण एवं विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन प्रातः दस बजे जवाहरलाल नेहरू मार्केट इंग्लिशिया लाइन में किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डॉ.नीलकंठ तिवारी ने ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित पथ विक्रेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है देश के निर्माण में स्ट्रीट वेंडर्स अर्थात फेरी पटरी ठेला व्यवसायियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है जो प्रतिदिन ईमानदारी से परिश्रम कर शहर की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं उन्होंने कहा कि स्वच्छ,सुंदर और व्यवस्थित काशी का निर्माण तभी संभव है जब नगर प्रशासन और पथ विक्रेता आपसी सहयोग से कार्य करें पथ विक्रेता यदि स्वच्छता,यातायात नियमों और नगर निगम के दिशा निदेर्शों का पालन करें तो काशी पूरे देश के लिए एक आदर्श नगर बन सकती है उन्होंने यह भी कहा कि गणतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सम्मान,सुरक्षा और आजीविका के अवसर प्राप्त करें कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर कौशलेंद्र सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना स्ट्रीट वेंडर्स के लिए गणतंत्र की भावना को साकार करने वाली योजना है इस योजना के माध्यम से ठेला पटरी व्यवसायियों को बिना किसी भेदभाव के ऋण सुविधा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है उन्होंने कहा कि स्वनिधि योजना से न केवल पथ विक्रेताओं को आर्थिक सहायता मिली,बल्कि डिजिटल लेन-देन और क्रेडिट सुविधा से उनकी सामाजिक साख भी मजबूत हुई है।

77वां गणतंत्र दिवस समारोहः झरुआ पंचायत भवन में ग्राम प्रधान ने फहराया तिरंगा

असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी/सिद्धार्थ। नगर बढ़नी विकास खंड के ग्राम पंचायत झरुआ में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। पंचायत भवन परिसर में ग्राम प्रधान विरेंद्र जायसवाल ने झंडारोहण किया। तिरंगा फहराते ही पूरा परिसर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत झरुआ प्रधान विरेंद्र जायसवाल ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान की शक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों का स्मरण कराता है। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निमार्ताओं के संघर्ष को याद किया, जिन्होंने देश के हर नागरिक को समान अधिकार और कर्तव्य प्रदान किए हैं। ग्राम प्रधान विरेंद्र जायसवाल ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को गति देना, तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और रोजगार के क्षेत्रों में सुधार करना ही गणतंत्र दिवस मनाने का सच्चा अर्थ है। उन्होंने ग्रामीणों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाने में सहयोग करने की अपील की।

गणतंत्र दिवस समारोह, बच्चों को मिलें उपहार विद्यालय मे ध्वजारोहण

असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। बढ़नी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत चरिगंवा में स्थित दशरथ कल्याणी विद्या मंदिर और प्राथमिक विद्यालय के साथ शोहरतगढ़ विधान सभा के गनेशपुर चौराहा स्थित न्यू सिटी मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह करीब 10 बजे ध्वजारोहण के साथ समारोह की शुरूआत हुई। जिसमें राष्ट्रीय ध्वज फहराते ही पूरा परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारो से गूंज उठा।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अब्दुल सलाम खान ने तिरंगा फहराया इस दौरान बच्चे, बूढ़े, जवान और महिलाओं सहित सभी ग्राम वासियों ने पूरे उत्साह के साथ राष्ट्रगान में भाग लिया। उन्हें 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने व भारत के विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के अवगत कराया गया। प्रधान प्रतिनिधि ने संविधान में निहित मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान विद्यालयों में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक राष्ट्रभक्ति गीत, नृत्य व नाटक प्रस्तुत करके खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम के अंत में प्रधान प्रतिनिधि ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले करीब 300 छात्र छात्राओं में हाथ घड़ी, दीवार घड़ी व कॉपी किताब पेन का वितरण किया। उसके बाद प्रधान प्रतिनिधि 43 वाहिनी एसएसबी कैंप भी पहुंचे वहां के कार्यक्रम में भी अपनी भागीदारी की। इस मौके पर प्रधानाचार्य मनोज चक्रवर्ती, न्यू सिटी मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के प्रबंधक अब्दुल कलाम, साबिर खान, बिस्मिल्लाह खान, दुर्गेश यादव, अब्दुल हई, वंशराज यादव, मुमताज व एसएसबी अधिकारी सहित आदि लोग मौजूद रहें।

महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज, गोविंदपुरी में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ अंशु सिंह द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया, जिसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ।इस अवसर पर विद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। छात्रों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से देश के प्रति अपने प्रेम, त्याग और समर्पण की भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।प्रधानाचार्य महोदय ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों, राष्ट्रीय एकता और अनुशासन का महत्व समझाते हुए शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला बताया। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अध्ययन, संस्कार और कर्तव्यनिष्ठा के माध्यम से एक जिम्मेदार नागरिक बनें और देश की प्रगति में अपना योगदान दें।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं मिष्ठान वितरण के साथ किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह विद्यालय परिवार के लिए प्रेरणादायक एवं स्मरणीय रहा।

पशु चोरी की घटना का हापुड़ पुलिस ने किया सफल अनावरण, दो शातिर पशु चोर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं पशु चोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने पशु चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से चोरी की गई एक जिन्दा भैंस, 02 अवैध चाकू तथा एक कटर बरामद किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सिम्भावली पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान दोनों अभियुक्तों को पकड़ा गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने पशु चोरी की घटना को स्वीकार किया, जिसके आधार पर चोरी गई भैंस की बरामदगी की गई।इस संबंध में थाना प्रभारी सिम्भावली सुरेश कुमार ने बताया कि जनपद में पशु चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

बागेश्वर पुलिस द्वारा हर्षोउल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

वेलकम इंडिया

बागेश्वर, गोविन्द मेहता,77 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर पुलिस अधीक्षक चन्द्रशेखर घोडके द्वारा पुलिस लाईन प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया।पुलिस लाइन मैदान में सभी पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त अधिकारी,कर्मचारियों को भारतीय गणतंत्र का संकल्प की शपथ दिलाई गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस से विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक, उत्कृष्ट सेवा के लिए राज्यपाल उत्कृष्ट सेवा पदक, सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह आदि के लिए चयनित पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के नाम पढ़कर सुनाये गये।जिसमें जिले में बेहतर कानून व्यवस्था बनानेसहित अन्य उत्कृष्ट कार्य हेतु एसपी चन्द्रशेखर घोडके को विशिष्ट कार्य हेतु पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क 'सिल्वर'₹ एलआईयू में तैनात अपर उप निरीक्षक रमेश राम,को 'सेवा के आधार पर' ₹पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क 'गोल्ड'₹अग्निशमन अधिकारी चन्द्र राम,कोअग्निशमन विभाग 'सेवा के आधार पर' ₹पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क 'सिल्वर'₹ से सम्मानित किया गया है। साथ ही पुलिस लाईन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने मुख्य अतिथि के तौर पर भव्य रैतिक परेड की सलामी ली।जिलाधिकारी द्वारा ध्वजारोहण कर सलामी ली गई व इसके उपरान्त रैतिक परेड का निरीक्षण किया गया। डीएम आकांक्षा ने परेड में उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने की शपथ दिलाई ।एवं परेड में प्रथम स्थान प्राप्त महिला होमगार्ड टोली के कमांडर एसआई गोल्डी घुघत्याल द्वितीय स्थान पर पुरुष पीआरडी जवानो की टोली के कमांडर हेड कांस्टेबल रमेश चन्द्र भट्ट, तृतीय पुरस्कार एनसीसी टोली की गताजंली को दिया गया।पुलिस अधीक्षक द्वारा जिलाधिकारी को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया गया।

उत्तराखंड समाज ने गणतंत्र दिवस बड़े धूमधाम के साथ मनाया

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्तराखंड समाज रजि. मोदीनगर द्वारा उत्तराखंड भवन, कृष्णा नगर में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के सचिव एवं पूर्व सैनिक खुशाल सिंह नेगी द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष उमेश चंद्र उप्रेती ने की।कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान किया गया। इसके उपरांत पूर्व अध्यक्ष नारायण सिंह रावत, दौलत राम मंगाई, जी.बी. जोशी, विजय नौटियाल, बलवंत सिंह, सुंदर लाल, सहित अन्य वरिष्ठजनों ने अपने विचार रखे। मंच संचालन तारा पंत जी द्वारा किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। समाज द्वारा उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए बालकृष्ण ध्यानी एवं नारायण सिंह रावत जी को सम्मान प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं कक्षा 12वीं में मोदीनगर टॉप करने पर ममता शर्मा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर उप्रेती, योगेश चंद्र, मुकेश बिष्ट, दीप सिंह, तुलाराम, तारा पंत, संतोष सिंह, अनूप रावत, मनोज भारद्वाज, नरेंद्र रावत, रमेश शर्मा, दिनेश शर्मा, सुंदर लाल, राजेंद्र, शर्मा, मनोज,सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ सदस्य एवं महिला शक्ति शामिल रही।

नगर पालिका परिषद में 77 वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ) ।77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद, मोदीनगर के प्रांगण में देश के सम्मान में ध्वजारोहण माननीय विधायक डॉ. मंजू शिवाच एवं नगर पालिका परिषद के चेयरमैन विनोद वैशाली द्वारा किया गया।ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा पर भी श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने संविधान की महत्ता, लोकतंत्र की मजबूती एवं राष्ट्र की एकता-अखंडता बनाए रखने का संदेश दिया। राष्ट्रगान के साथ पूरा वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम में वेद प्रकाश चौधरी, जितेंद्र चौधरी, ललित त्यागी, सोनू कुमार, संजय चौधरी, किशन राज सैन, नीटू चौधरी, प्रदीप शर्मा, धर्मवीर मास्टर, अर्जुन नेहरा, ललित मित्तल, दुष्यंत यादव, आदित्य (बॉबी), अंकित चौधरी (आर.आई.), अंकित गोयल, अमरीश (एस.एफ.आई.) सहित पालिका अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय एवं वंदे मातरम के नारों के साथ हुआ।

डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में77वॉ गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। डॉ के एन मोदी साइंस एण्ड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में 77 वॉ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया ।गणतंत्र दिवस के अवसर पर सुबह के सत्र में प्रभात फेरी का आयोजन किया जो विद्यालय से चलकर बस स्टैंड ,भगवान गंज मंडी, रेलवे रोड, मोदी मंदिर, तरंग रोड, गुरुद्वारा रोड , आनन्दीपूरा, आदर्श नगर से होती हुई विद्यालय पर संपन्न हुई। इसके उपरान्त विद्यालय मे राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा सभी ने तिरंगे को सलामी दी। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए।प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद अग्रवाल ने सभी छात्रों एवं एन सी सी कैडिट ,स्काउटस एवं देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें दी तथा सभी को अपने कर्तव्यों का पालन करने हेतु प्रेरित किया। कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने शिक्षा मंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया तथा सभी से अपने राष्ट्र को एक मजबूत और स्वावलंबी राष्ट्र बनाने के लिए सहयोग करने की अपील की।वरिष्ठ प्रवक्ता टी पी सिंह ने संविधान के निर्माण में डॉ भीमराव अम्बेडकर के योगदान के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक वाइ सी शर्मा ने की। प्रभात फेरी के दौरान लै० राजीव कुमार, शारीरिक शिक्षक राजीव सिंह, सीमा सिंह,गौरव त्यागी,सुरेश कुमार, अनिल यादव के अतिरिक्त विद्यालय के समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

राजकीय हाई स्कूल नूरपुर में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। राजकीय हाई स्कूल नूरपुर, मुरादनगर, गाजियाबाद में गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उसके बाद सरस्वती पूजन ,दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।विद्यार्थियों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चैयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी , भुवनेश्वर, श्री मुखिया, विजय पाल , श्री भारद्वाज, प्रमोद कुमार, श्रीहरि सिंह, परवीन कुमार,मो० अकरम आदि उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को राधेश्याम मास्टर की स्मृति में उनके पुत्र भुवनेश्वर के द्वारा सम्मानित भी किया गया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुषमा सुमन द्वारा इस अवसर पर आभार व्यक्त किया गया। अन्त में मिष्ठान्न वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

नींव द स्कूल में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। नींव द स्कूल में सोमवार, 26 जनवरी को 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर स्कूल परिसर में भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर संस्थापक राम किशोर अग्रवाल, अरविंद जिंदल, जगदीश प्रसाद गुप्ता ,डॉ राजेश गुप्ता ,प्रमोद कंसल, अरविंद अग्रवाल,प्रबंधक अमित अग्रवाल डायरेक्टर जनरल अपर्णा शर्मा, वाइस प्रिंसिपल रोमी शर्मा एवं अन्य माननीय अतिथि गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संस्थापक राम किशोर अग्रवाल जी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाया गया

तथा ह्वंदे मातरम्ह और ह्जय भारतह के गगनभेदी नारों से पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो गया। इस अवसर पर प्रबंधक अमित अग्रवाल ने उपस्थित सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

नींव द स्कूल कामना करता है कि भारत का प्रत्येक नागरिक संविधान की भावना को आत्मसात करते हुए देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करे और हमारा राष्ट्र निरंतर उन्नति के नए शिखर छुए।

एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ) । एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एसआरएमआईएसटी), दिल्ली-एनसीआर परिसर, गाजियाबाद में 77वें गणतंत्र दिवस का समारोह अत्यंत उत्साह, गरिमा और राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ ईसवारी ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे औपचारिक शोभायात्रा के साथ हुआ, जिसके उपरांत राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। ध्वज सलामी एवं राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। इसके पश्चात राष्ट्र एवं नागरिकों के कल्याण हेतु प्रार्थना (आह्वान) की गई। दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का औपचारिक आरंभ हुआ। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर अमूल अस्थाना (सेवानिवृत्त), उपाध्यक्ष झ्र परियोजनाएँ, जेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का उनके विशिष्ट सेवाकाल एवं राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए सम्मान किया गया। डॉ. नवीन अहलावत, डीन ,एसआरएमएसएटी दिल्ली-एनसीआर परिसर के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन ने ह्लसेवा, सुरक्षा और सम्मान—यही सच्ची गणतंत्र भावना हैह्व विषय पर प्रेरणादायक संबोधन दिया, जिसमें राष्ट्र निर्माण में अनुशासन, सेवा और सम्मान के महत्व को रेखांकित किया गया। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर अमूल अस्थाना (सेवानिवृत्त) ने गणतंत्र दिवस संबोधन में नेतृत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा नागरिकों की भूमिका पर अपने अनुभव साझा किए कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स को उच्च पदोन्नति हेतु सम्मानित करने के लिए रैंक सेरेमनी आयोजित की गई। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भारत की विविधता में एकता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। समारोह का समापन डॉ. ए. गीता भवानी, डीन झ्र स्कूल ऑफ साइंस एंड ह्यूमैनिटीज के संबोधन हर कदम पर धन्यवाद कहकर स्वतंत्रता का सम्मान करेंह्व के साथ हुआ।

आरकेजी ग्लोबल स्कूल में गणतंत्र दिवस उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद,(अनिल वशिष्ठ) । आरकेजी ग्लोबल स्कूल गाजियाबाद में 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत गर्व, उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशकझ्रप्राचार्य कैप्टन डॉ. दिनिशा भारद्वाज सिंह जी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष श्री अक्षत गोयल जी, निदेशक डॉ. राकेश गोयल तथा डीन डॉ. मनोरमा शर्मा आरकेजी आईटी एम की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय गान से हुई, जिससे सम्पूर्ण विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति और सम्मान की भावना से गूंज उठा। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी को भावविभोर कर दिया। मधुर देशभक्ति गीतों, ऊजार्वान नृत्य प्रस्तुतियों तथा छोटी-छोटी झांकियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने देश के वीर शहीदों एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का समापन माननीय उपाध्यक्ष अक्षत गोयल एवं निदेशकझ्रप्राचार्य कैप्टन डॉ. दिनिशा भारद्वाज सिंह जी के प्रेरणादायक उद्बोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने तथा राष्ट्र की उन्नति में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस सफल आयोजन में अभिभावकों, शिक्षकों एवं आरकेजी ग्लोबल स्कूल के प्रशासनिक सदस्यों के सहयोग और समर्पित प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके मार्गदर्शन एवं सहभागिता से कार्यक्रम को विशेष गरिमा और आकर्षण प्राप्त हुआ। आरकेजी ग्लोबल स्कूल का यह गणतंत्र दिवस समारोह विद्यार्थियों में देशप्रेम की भावना को प्रबल करने तथा राष्ट्रीय मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला एक स्मरणीय आयोजन सिद्ध हुआ।

राजनगर सेक्टर 1 वेलफेयर रेजिडेंट संगठन द्वारा गणतंत्र दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने गणतंत्र दिवस के अवसर कलेक्ट्रेट पर फहराया तिरंगा

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़ द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए राष्ट्रीय गान गाया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा गणतंत्र दिवस पर भारत का संविधान उद्देशिका (संकल्प) की शपथ दिलाई गयी। केडीबी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा देश भक्ति गीतों की सुन्दर प्रस्तुतियां दी गयी, जिलाधिकारी महोदय ने सभी विद्या ?र्थियों, बच्चों और अध्यापकों को पुरस्कार देते हुए सम्मानित किया।

जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने अपने सम्बोधन में सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि हम लोग बहुत उत्साह के साथ गणतंत्र दिवस मनाते हैं। हमारा देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ। इतने कम समय में हमारे देश ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं वह गौरवांन्वित करने वाली हैं, जिन पर हमें गर्व की अनुभूति होती हैं। हमें कैसे अपने देश के विकास में एक नागरिक के रूप में सहयोग देना है। पहले राष्ट्रीय पर्वों को औचारिकता पूर्ण करने वाली परम्परा बन गयी थी किन्तु वर्तमान में उस परम्परा को खत्म करते हुए आज राष्ट्रीय पर्वों सहित अन्य पर्वों पर देश प्रेम एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने से नागरिकों में देश के प्रति उनकी जिम्मेदारियों की भावना को जगाया है जो कि देखने को मिल रहा है। हम सभी का देश के प्रति जिम्मेदारियों है किसी के पास बड़ी तो किसी के पास छोटी, परन्तु जिम्मेदारियां सभी के पास निहित हैं। इसलिए हम सभी को अपने कर्तव्यों को पूर्ण ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ पालन करना चाहिए। हमें अपने राष्ट्र को और अधिक विकसित, समृद्ध और मजबूत बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। मेरा सभी अधिकारियों और समक्ष नागरिकों से अनुरोध है कि वे जनता की समस्याओं का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान करें और बेबस, लाचार लोगों के प्रति मानवीय संवदेना के साथ उनकी समस्याओं का निस्तारण करें और मानवता के नाते जो आपसी उनकी मदद हो वह अवश्य करें। उन्होने कहा कि अधिकारी होने के नाते हमारी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है हमें जनता की समस्याओं का गुणवत्ता के साथ निस्तारण तो करना ही है साथ में जनपद के विकास, जनता को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी के क्षेत्र में बच्चों और युवाओं को सक्षम बनाना और स्वस्थ, स्वच्छ और हरित जनपद का बनाते हुए नागरिकों को इसके प्रति जागरूक करना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी महोदय की धर्मपत्नी एवं बच्चे, एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, एडीएम सिटी श्री विकास कश्यप, एडीएम एल/ए श्री अविनाश सिंह, एडीएम ई ज्योति मोर्या, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, सीटीओ श्रीमती पुष्पांजलि सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी सहित श्री ललित जायसवाल, सिविल डिफेंस के पदाधिकारी उपस्थित रहे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल (आईएएस) द्वारा विकास भवन के परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, इस अवसर पर शपथ भी दिलाई गयी। कार्यक्रम में विकास भवन से सम्बंधित सभी अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में जिला सूचना अधिकारी श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा ध्वज फहराया गया और राष्ट्रगान गाया गया। इस मौके पर सूचना विभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

- पर्वों के माध्यमों से नागरिकों में जागृत हो रही देश प्रेम व कर्तव्य की भावना : जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़
- अपने कर्तव्यों को पूर्ण ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ करें पालन : जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़
- समाज व जनपद को स्वस्थ व स्वच्छ बनाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी : जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़
- गरीब, लाचार और बेसहाय लोग की सहायता के लिए मानवीय संवेदना आवश्यक : जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़